22. १००८ श्री नेमिनाथ जी

यक्ष
पार्श्व

चिन्ह
शंख

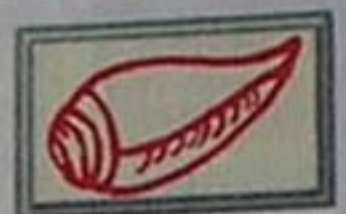

वर्ण
श्यामवर्ण

यक्षिणीं
कुष्माण्डी

अर्घ

जल फल द्रव्य मिलाय गाय, गुण रत्नथार भरिये सुखदान।
भ्रष्ट कर्म के नाशक प्रभु को पूजों निजगुणदायक जान।।
बालब्रह्मचारी जगतारी, नेमीश्वर जिनराज महान।
मैं नित ध्यान धरूं प्रभु तेरा, मौकूं दीजो अविचल थान।।

ॐ ह्रीं श्री नेमिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

कार्तिक शुक्ला-६

गर्भकल्याणक

श्रावण शुक्ला-६

जन्मकल्याणक

श्रावण शुक्ला-६

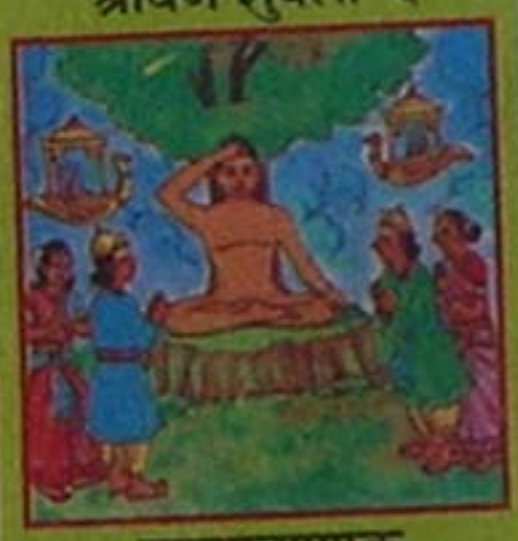

तपकल्याणक

आश्विन शुक्ला-१

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: समुद्रविजय
माता: शिवा देवी
मोक्ष स्थान श्री गिरनार जी

आषाढ़ शुक्ला-८

मोक्षकल्याणक